डोकरा कला

चर्चा में क्यों?

बैंकॉक की अपनी यात्रा के दौरान, **भारत के** [प्रधानमंत्री](#) **ने थाई प्रधानमंत्री श्रेष्ठा थाविसिन** और उनकी पत्नी को [पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प](#) भेंट किया।

- उपहारों में एक **डोकरा पीतल की मयूर नाव थी जिस पर एक आदिवासी सवार बना हुआ था, जो छत्तीसगढ़ की आदिवासी धातु कलाकृति** का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्प कौशल को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

- **डोकरा कला के बारे में:**
  - यह **प्राचीन बेल मेटल शिल्प का एक रूप है, जिसका उपयोग झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना** जैसे राज्यों में रहने वाले **ओझा धातु कारीगरों** द्वारा किया जाता है ।
    - इस कारीगर समुदाय की शैली और कारीगरी विभिन्न राज्यों में भिन्न होती है।
  - **सदियों पुरानी खोई हुई मोम की ढलाई पद्धति** का उपयोग करके तैयार की गई यह मूर्ति छत्तीसगढ़ की जटिल आदिवासी कलात्मकता को दर्शाती है। हर टुकड़ा अद्वितीय है और सावधानीपूर्वक हस्तनिर्मित है।
  - [मोहनजोदड़ो (हड़प्पा सभ्यता)](#) की नृत्यांगना अब तक ज्ञात सबसे प्रारंभिक डोकरा कलाकृतियों में से एक है।
- **प्रतीकात्मकता और सौंदर्यात्मक आकर्षण:**
  - **जटिल डिज़ाइन और ज्वलंत लाख की नक्काशी** से सुसज्जित मोर के आकार की यह नाव सुंदरता, रचनात्मकता और **सांस्कृतिक गहराई का प्रतीक है।**
  - **नाव को धीरे-धीरे चलाते हुए जनजातीय आकृति मानव-प्रकृति सामंजस्य** का सार प्रस्तुत करती है - जो डोकरा कला का एक केंद्रीय रूपांकन है।
    - पीतल से निर्मित यह मूर्ति समय के साथ स्वाभाविक रूप से समृद्ध पट्टिका (पेटिना) प्राप्त कर लेती है, जिससे इसका **प्राचीन आकर्षण और ऐतिहासिक आकर्षण बढ़ जाता है।**
  - यह मात्र एक सजावटी वस्तु नहीं है, बल्कि यह **भारत की जनजातीय विरासत का सम्मान करती है** तथा सादगी, कलात्मक अभिव्यक्ति और प्रकृति के साथ गहन संबंध का मिश्रण दर्शाती है।
- **सोना चढ़ाया बाघ आकृति कफलिंक:**
  - भारत के प्रधानमंत्री ने थाई प्रधानमंत्री की पत्नी को **सोने की परत चढ़ी एक जोड़ी कफलिंक भेंट की, जिस पर मोतियों से सुसज्जित** एक जटिल बाघ आकृति बनी हुई थी।
    - बाघ का आकर्षक चेहरा शक्ति, अधिकार और शाही आकर्षण का प्रतीक है।
  - **राजस्थान और गुजरात का** एक पारंपरिक [मीनाकारी शिल्प](#) डिज़ाइन में जीवंत रंग और कलात्मकता जोड़ता है।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भारत की सक्रिय भूमिका:

- भारत के प्रधानमंत्री ने **बैंकॉक में आयोजित** [बिम्सटेक](#) **शिखर सम्मेलन में भाग लिया , जहाँ उन्होंने बिम्सटेक बैंकॉक विज़न 2030** और **बिम्सटेक** [समुद्री परिवहन समझौते](#) **को** अपनाने की सराहना की।
- **उन्होंने क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार, तकनीकी नवाचार और** [बंगाल की खाड़ी क्षेत्र](#) में आपदा प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में **सहयोग को गहरा करने** के लिये भारत की मज़बूत प्रतिबद्धता दोहराई।

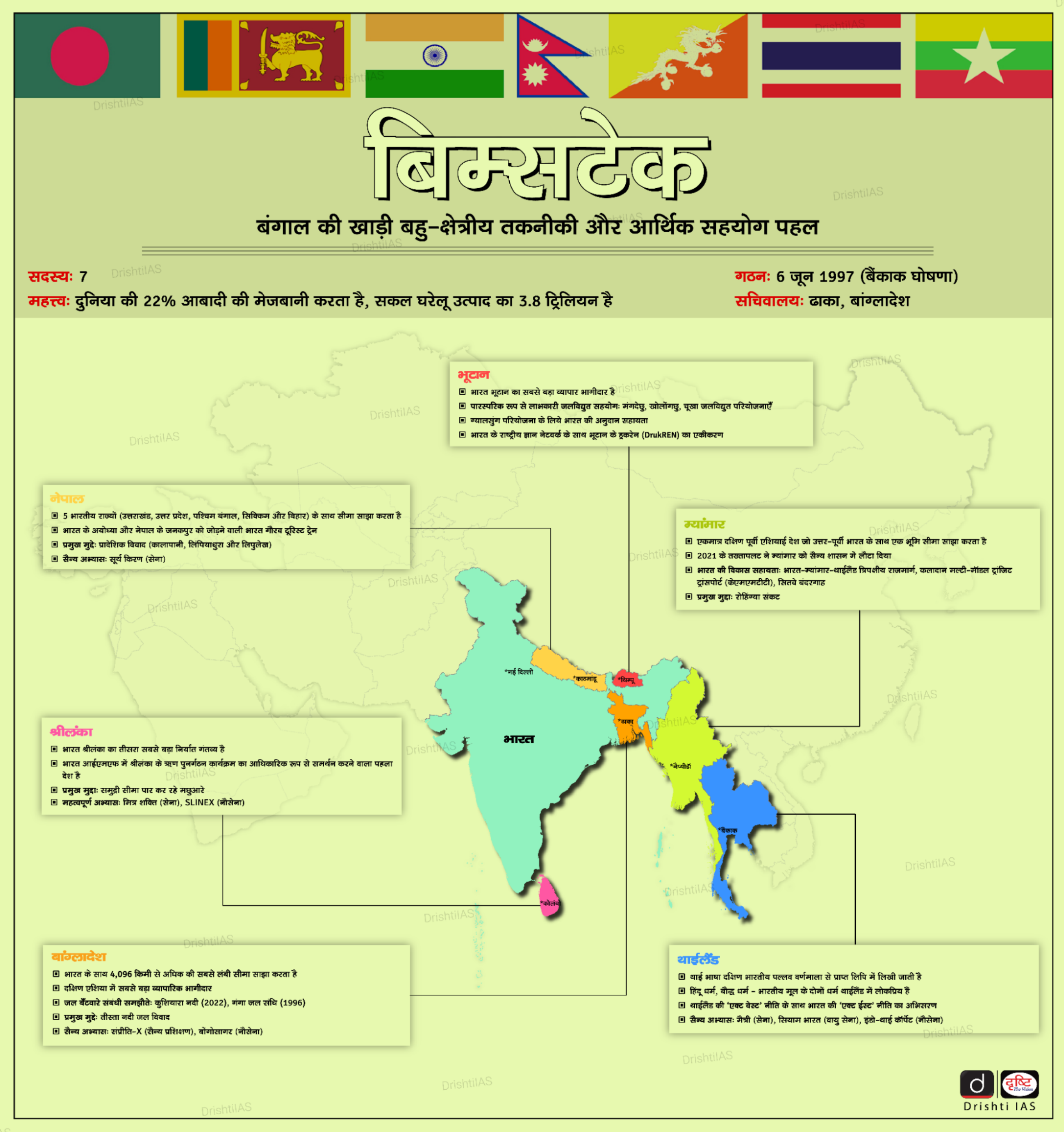

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dokra-art